

सागरमाला परियोजना

प्रलिस के ललल:

सागरमाला, सागरतट समृद्धल योजना ।

मेन्स के ललल:

बुनललदी ढाँचा, वृद्धल और वकलस, सरकलरी नीतललल और हसुतकषेप ।

चरुा में कूलु?

हलल ही में केंदुरीय बंदरगलह, नूलवहन और जलमलरुग मंतुरी (MoPSW) ने वजुजलन भवन, नई दललुी में **रलषुदुरीय सागरमालल शूरुष समतलल (NSAC)** की बैठक की अधुयकषुतल की ।

- NSAC बंदरगलह आधलरतल वकलस-सागरमालल परललोजनाओं के ललल नीत-नरलदेश और मलरुगदरुशन परदलन करने वललल शूरुष नकललल है तथल इसके कलरुलनववन की समीकषुल करतल है । इसकल गठन मई 2015 में केंदुरीय मंतुरमलडल दवलरल कललल गलल थल ।
- बैठक में एक नई पहल 'सागरतट समृद्धल योजना' के मलधुयम से तटीय समुदललुओं के समगुर वकलस पर चरुल की गई ।

सागरतट समृद्धल योजना:

- परधलनमंतुरी ने मलरुच 2021 में "[मेरीटलडम इंडुलल वजुन-2030](#)" के वमलचन के दूरलन सागरमालल - सागरतट समृद्धल योजना कल शुरुभलरुंभ कललल ।
- पतुतन, पोत परवलहन और जलमलरुग मंतुरललय ने रलषुदुर के तटीय कषुेतरुओं में चुनूलतललुओं कल समलधलन करने के लललल इस वसलतुत परललोजना को तूलूलर कललल है ।
- सागरतट समृद्धल योजना ने कुल **1,049 परललोजनाओं** की पहचलन की है, जनकी अनुमलनतल ललगत 3,62,229 करुड रुपे है ।
- जनल **चलर परमुख कषुेतरुओं** में यह पहल आतुी है उनमें शलमललल हैं:
 - तटीय अवसंरुचनल वकलस
 - तटीय परुयटन
 - तटीय औदुयुगकल वकलस
 - तटीय सलमुदललकल वकलस

परललोजना के बलरे में:

- परुचललल:
 - [सलगरमलल परललोजना](#) को वरुष 2015 में केंदुरीय मंतुरमलडल दवलरल अनुमुदतल कललल गलल थल जसलकल उदुदेशुय आधुनकलकीकरण, मशीनीकरण और कंपुूटरीकरण के मलधुयम से 7,516 कललुमीटर लंबी समुदुरी तट रेखल के आस-पलस बंदरगलहों के इरुद-गरलद परतुयकषु और अपरुतुयकषु वकलस को बढलवल देनल है ।
 - सलगरमलल परललोजना कल दृषुटकलुण आललत-नरुललत (**EXIM**) और घरेलू वुयलपलर हेतु नुनूलतम बुनललदी ढाँचल नवलश के सलथ रसद ललगत को कम करनल है ।
 - सलगरमलल परललोजना वरुष 2025 तक भरुत के वुयलपलर नरुललत को 110 बलललन अमेरकल डुललर तक बढल सकतुी है, सलथ ही ललगभग 10 मलललन नई नुलकरललुल (परुतुयकषु रुरुजगलर में चलर मलललन) पैदल कर सकतुी है ।
 - मंतुरललय ने संभलवतल एयरललइन ऑपरुेटरुओं के सलथ **सलगरमलल सीपुलेन सरुवसलजु** की महतुतवलकलकषुी परललोजना शुरु की है ।



■ सागरमाला कार्यक्रम के घटक:

- बंदरगाह आधुनिकीकरण और नए बंदरगाह विकास: मौजूदा बंदरगाहों का अवरोध और क्षमता वसितार तथा नए ग्रीनफील्ड बंदरगाहों का विकास ।
- पोर्ट कनेक्टिविटी बढ़ाना: घरेलू जलमार्गों (अंतरदेशीय जल परिवहन और तटीय शिपिंग) सहित मल्टी-मोडल लॉजिस्टिक्स समाधानों के माध्यम से बंदरगाहों की आंतरिक भूमि से कनेक्टिविटी को बढ़ाना, कार्गो आवाजाही की लागत और समय का अनुकूलन करना ।
- बंदरगाह संबद्ध औद्योगीकरण: EXIM और घरेलू कार्गो की लॉजिस्टिक लागत तथा समय को कम करने के लिये बंदरगाह-समीपस्थ औद्योगिक क्लस्टर और तटीय आर्थिक क्षेत्र विकसित करना ।
- तटीय सामुदायिक विकास: कौशल विकास और आजीविका निर्माण गतिविधियों, मत्स्य विकास, तटीय पर्यटन आदि के माध्यम से तटीय समुदायों के सतत विकास को बढ़ावा देना ।
- तटीय नौवहन और अंतरदेशीय जलमार्ग परिवहन: सतत और पर्यावरण के अनुकूल तटीय तथा अंतरदेशीय जलमार्ग के माध्यम से कार्गो को स्थानांतरित करने के लिये प्रोत्साहन ।

स्रोत: पी.आई.बी.

PDF Refernece URL: <https://www.drishtiiias.com/hindi/printpdf/sagarmala-projects>